इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

ASU NEWS-LETTER

Vol .2 No.3 May-June 2017

Allahabad State University
CPI Campus
Mahatama Gandhi Road,
Civil Lines,
Allahabad-211001, U.P. India.
website: www.alldstateuniversity.org

ADMINISTRATION:

Prof. Rajendra Prasad
Vice-Chancellor
Mobile: +91-9415313714
Ph.(O) 0532-2256206
Ph.(R) 0532-2256218
email:
rprasad55@rediffmail.com
asuallahabad@gmail.com

Dharmendra Prakash Tripathi
Finance Officer
Mobile No: +91-8004915375
Ph (O): 0532-2256222
email: financeofficer.asu@gmail.com

(Dr.) Sahab Lal Maurya
Registrar
Mobile No.: +91-9415291923
Ph(O): 0532-225607
email: registrarasua@gmail.com

Sheshnath Pandey
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9839984620

R.B. Yadav
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9450369881

Deepti Mishra
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9452092149

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्याशेषः।
यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते।। (7/2)

– श्रीमद्भगवद्गीता

कुलपति की कलम से

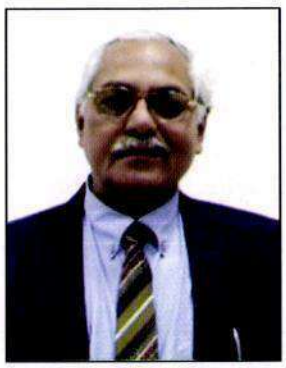

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय अपने सर्वांगीण उन्नयन एवं विकास के पथ पर कीर्तिमान स्थापित करने हेतु अग्रसर है। पठन–पाठन के उपरान्त विद्यार्थियों की वार्षिक एवं सेमेस्टर परीक्षाओं को नकलविहीन एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने में सफलता प्राप्त हुई है। दोषी महाविद्यालयों को नियमानुसार दण्डित भी किया गया है। विद्यार्थियों के हित–रक्षण और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण–प्रशिक्षण हेतु हम पूरी तरह से कटिबद्ध हैं।

17 जून 2017 इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के संस्थागत जीवन में प्रतिष्ठित ऐतिहासिक दिवस है। यह राज्य विश्वविद्यालय का 'प्रथम स्थापना दिवस' है। इस ऐतिहासिक दिवस पर उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल माननीय राम नाईक और उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षामंत्री प्रो0 (डॉ0) दिनेश शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति और विगत एक वर्ष में प्राप्त उपलब्धियों के गुणानुवाद का सारस्वत समारोह विश्वविद्यालय के स्वर्णिम भविष्य का द्योतक है। इस शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय की कार्य परिषद और विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यगण, शिक्षकगण, विद्यार्थीगण और भारी संख्या में उपस्थित श्रेष्ठजनों ने उपस्थित होकर हमारा मान बढ़ाया है। इसके लिए हम कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। इस बीच इस राज्य विश्वविद्यालय ने सभी दिशाओं से अच्छे विचारों के आगमन की लालसा से विचार–गोष्ठियों के आयोजन और सहभागिता का सिलसिला जारी रखा है। 'टाउन और गाउन' का साहचर्य भी सुसंगत ढंग से गतिमान है। 30 जून 2017 को माननीय राज्यपाल महोदय ने राजभवन, लखनऊ में काव्यसंग्रह 'समर शेष है' का लोकार्पण करके 'चरैवेति–चरैवेति' का शुभंकर संदेश दिया है।

शुभकामनाओं सहित,

(प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद)
कुलपति

सत्र 2017-18 में पठन-पाठन हेतु स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर पर नये पाठ्यक्रमों का निर्धारण

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की कार्य परिषद के निर्णय के अनुपालन में सर्वप्रथम दिनांक 13.05.2017 को कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में पाठ्यक्रम समिति के संयोजकों एवं आन्तरिक सदस्यों की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें स्नातक एवं परास्नातक स्तर के समस्त विषयों के सत्र 2017–18 से लागू किये जाने पाठ्यक्रम तैयार किये जाने, संकाय स्तर पर विभिन्न प्रश्न–पत्रों के अधिकतम अंक निर्धारित किये जाने एवं विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु सीटों के निर्धारण आदि विषयों से सम्बन्धित कार्यवृत्त पर सम्यक विचार हुआ।

विभिन्न विषयों के संयोजकों द्वारा 15 मई से 15 जून के मध्य बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक आहूत कर नवीनतम पाठ्यक्रम, विश्व स्तर पर हो रहे परिवर्तनों के क्रम में, सुसंगत आधार पर तैयार कराने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही परास्नातक एवं बी0एड0 / एम0एड0 के पाठ्यक्रम के सेमेस्टर प्रणाली के आधार पर तैयार कराने का निर्णय लिया गया । इस सम्बन्ध में प्रो0 प्रसाद ने निर्देशित किया कि जहाँ कहीं पाठ्यक्रम में देश, काल और आवश्यकता के क्रम में बदलाव की आवश्यकता हो, उसे तैयार कर लिया जाय।

उपर्युक्त निर्णय के अनुक्रम में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम वार्षिक एवं परास्नातक स्तर के पाठ्यक्रम सेमेस्टर प्रणाली के आधार पर बोर्ड ऑफ स्टडीज के माध्यम से तैयार कर लिये गये हैं। विद्या परिषद एवं कार्य परिषद की आगामी बैठकों में अनुमोदन प्राप्त कर सत्र 2017–18 से इन पाठ्यक्रमों के आधार पर पठन–पाठन सम्पन्न होगा। इस प्रकार संशोधित पाठ्यक्रम के विवरण निम्नवत् हैं :

क्र.सं.	विषय / कोर्स	स्तर	प्रवेश प्रणाली
1	बी0ए0,बी0एससी0, बी0काम0	स्नातक	वार्षिक
2	बी0एड0, बी0पी0एड0, बी0बी0ए0, बी0सी0ए0, बी0एससी0 (कृषि), बायो टेक्नोलॉजी, बी0एससी0 कम्प्यूटर साइन्स एवं बैचलर ऑफ लाइब्रेरी साइन्स	स्नातक	सेमेस्टर प्रणाली आधारित
3	एम0ए0 (संस्कृत, हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, संगीत, गृह विज्ञान, पेंटिंग, भूगोल, मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान, शारीरिक शिक्षा, दर्शन शास्त्र, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन, समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र, प्राचीन इतिहास, इतिहास, शिक्षा शास्त्र)	परास्नातक	सेमेस्टर प्रणाली आधारित
4	एम0एससी0 (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन)	परास्नातक	सेमेस्टर प्रणाली आधारित
5	एम0काम0,एम0एड0,एम0बी0ए0,एम0पी0एड0, एम0एस0–सी (कृषि)	परास्नातक	सेमेस्टर प्रणाली आधारित
6	एम0एससी0 (कृषि–वनस्पति, कृषि–रसायन, कृषि–प्रसार, कृषि उद्यान एवं कृषि अर्थशास्त्र)	परास्नातक	सेमेस्टर प्रणाली आधारित

वित्तीय गतिविधियाँ

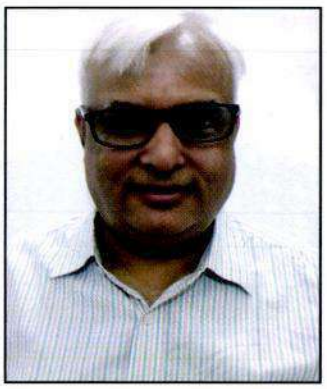

श्री धर्मेन्द्र प्रकाश त्रिपाठी
वित्त अधिकारी
इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय
इलाहाबाद

1 दिनांक 16.06.2017 को कार्यपरिषद की सम्पन्न बैठक के अनुसरण में दिनांक 28.06.2017 को विश्वविद्यालय के मुख्यालय सी0पी0 आई0 परिसर में वित्त समिति की तृतीय बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें वित्त समिति ने आगामी वित्तीय वर्ष 2017–18 हेतु प्रस्तावित आय–व्यय के अनुमान के अन्तर्गत राजस्व व्यय रू. 41.00 करोड़ तथा पूँजीगत योजना व्यय (भूमिक्रय तथा निर्माण कार्य हेतु शासन से प्राप्त होने वाली अवशेष धनराशि) रू. 310.00 करोड़ की व्यय सीमा निर्धारित की गई।

2 महाविद्यालयों से डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से सम्बद्धता धनराशि आदि प्राप्त हुए उन समस्त धनराशियों को तत्काल विश्वविद्यालय के खाते में जमा कराया गया।

3 सत्र 2017–18 में ऑनलाइन एडमिशन के अन्तर्गत छात्रों द्वारा जमा की गयी ऑनलाइन फीस विश्वविद्यालय के खाते में जमा किया गया।

4 आनलाइन फार्म 16 जनरेट कर शिक्षकों, शिक्षेणत्तर कर्मियों, ठेकेदारों, एजेन्सियों को जारी किया गया।

5 सत्र 2017–18 में शासन द्वारा इ0रा0वि0वि0 को वेतन मद में 118.56 लाख के विरूद्ध रू. 49.00 लाख तथा गैर वेतन मद में रू. 25.00 लाख के सापेक्ष रू. 10.00 लाख अवमुक्त किया गया। शासन द्वारा स्वीकृत धनराशि की शर्तों/व्यवस्था के अनुसार कोषागार से आहरण किया गया।

6 स्रोत/उद्गम स्थान पर कटौती के अधीन भुगतान योग्य धनराशियों में नियमानुसार देय आयकर की कटौती कर अगले कार्य दिवस में केन्द्र सरकार के खाते में जमा कराया गया।

7 वित्त अनुभाग में नियमानुसार वेतन, एक अन्य मदों में भुगतान हेतु प्राप्त दावों पर नियमानुसार भुगतान की कार्यवाही सुनिश्चित की गयी।

राज्य विश्वविद्यालय की कालान्तरित परीक्षाएँ

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की परीक्षाएँ संशोधित तिथि के अनुसार सम्पन्न हो गयीं। बी0ए0 प्रथम वर्ष के पर्यावरण अध्ययन की जो परीक्षा 27 अप्रैल को प्रस्तावित थी, कालान्तरित कार्यक्रम के अंतर्गत 05 मई की सुबह 07 से 09 बजे के मध्य सम्पन्न हुई। बी0एससी0, बीकॉम प्रथम वर्ष की 27 अप्रैल को जो परीक्षा प्रस्तावित थी, नवीनतम कार्यक्रम के अंतर्गत 05 मई को दोपहर 03 से 05 बजे के मध्य सम्पन्न हुई। बी0ए0 उर्दू प्रथम वर्ष, द्वितीय प्रश्न–पत्र की परीक्षा संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 06 मई और बी0ए0 प्रथम वर्ष चित्रकला की परीक्षा 08 मई को हुई। इसी प्रकार संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 11 मई को एम0एस0सी0 कृषि पंचम प्रश्न–पत्र, बी0 ए0 प्रथम वर्ष दर्शनशास्त्र द्वितीय प्रश्नपत्र 11 मई एवं बी0एस–सी0 प्रथम वर्ष तृतीय प्रश्नपत्र 24 मई को सम्पन्न हुई।

वेबसाइट पर अपलोड होगा शिक्षकों का ब्यौरा

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध समस्त महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय वेबसाइट से संबद्ध करके प्राचार्य और शिक्षकों का फोटो, आधार कार्ड सहित ब्यौरा उपलब्ध कराना होगा। इसका उद्देश्य राज्य विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों की हर गतिविधि और सूचना से छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को अपडेट रखना है।

कुलसचिव ने निदेशित किया है कि कौशांबी, प्रतापगढ़, इलाहाबाद और फतेहपुर जनपद के सभी महाविद्यालय अपनी वेबसाइट, प्राचार्य, शिक्षकों की फोटो, नाम व पता, विभागवार पूरी सूचना राज्य विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी प्रारूप में भरकर उपलब्ध करा दें। इस कार्य को प्राथमिकता प्रदान करते हुए सभी महाविद्यालयों को एक सप्ताह के अंदर सूचना देने को कहा गया है। साथ ही महाविद्यालय के पाठ्यक्रम, परीक्षा आदि का ब्यौरा समय–समय पर अपडेट करने को भी कहा गया है। इन सूचनाओं को राज्य विश्वविद्यालय की वेबसाइट से लिंक करने की योजना है, ताकि कोई भी जानकारी आसानी से ली जा सके।

राज्य विश्वविद्यालय मुख्य परिसर में विस्तार लेंगी योजनाएँ

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के नैनी स्थित मुख्य परिसर बनने के बाद इसमें शैक्षिक गतिविधियाँ विस्तार पायेंगी। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्कूल समाहित होंगे, इसमें नर्सिंग, सिनेमा एवं नाट्य अध्ययन, प्रोफेशनल स्टडीज, उर्दू, फिजियोथेरेपी, टेक्सटाइल, फारेंसिक स्टडीज, डिजास्टर मैनेजमेंट, आयुर्वेद–यूनानी, एग्रीकल्चर स्टडीज सहित अनेक रोजगारपरक कोर्स का संचालन किया जाएगा। इसमें पीजी, स्नातक डिग्री, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कार्यक्रम शामिल होंगे।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर संगोष्ठी

05 जून 2017 को 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के सी0पी0आई0 परिसर में पर्यावरण सेना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण पर विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के काफी संख्या में छात्र/छात्राओं के साथ–साथ विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

इस समारोह की अध्यक्षता इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने की। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में प्रो0 प्रसाद ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि पर्यावरण प्रदूषण की समस्या विश्व के लिये खुली चुनौती है, धरती पर जीवन लिये हमें इसे स्वीकार करना होगा। पर्यावरण की रक्षा के लिये जरूरी है कि हम पेड़ लगायें और हरे–भरे पेड़ों की सुरक्षा करें।

प्रमुख, पर्यावरण सेना श्री अजय क्रांतिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि बढ़ते तापमान के कारण धरती पर जलवायु परिवर्तन समस्या बनती जा रही है जिसके कारण तमाम तरह की प्राकृतिक आपदाओं के कारण धरती पर

जीवन संकटमय हो गया है। पर्यावरण की रक्षा के लिये हम सभी को आगे आना होगा, उन्होंने 'जय प्रकृति, जय जगत' का नारा देकर लोगों को पर्यावरण की रक्षा का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में नीम और कंजी के पौधे रोपित किये गये। पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी को उनके द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए कुलपति प्रो0 प्रसाद ने प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन 'जय प्रकृति, जय प्रगति, जय जगत' के नारे के साथ हुआ।

इस अवसर पर उपस्थित विशिष्टजनों में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 उपेन्द्र सिंह, कुलसचिव संजय कुमार, रमेश मिश्रा–जिला पर्यावरण निरीक्षक, पर्यावरण सेना, सत्येन्द्र पाण्डेय– जिला सेना अध्यक्ष पर्यावरण सेना, शुभम यादव, नरीज केसरवानी, संदीप मिश्रा, विशाल मिश्रा, शैलेन्द्र कुमार, विवेकानन्द यादव, सुरेश यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध एवं सामूहिक नकल में दण्डित 29 महाविद्यालयों में पुनर्परीक्षा का निर्णय

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने सामूहिक नकल के कारण दंडित 29 महाविद्यालयों की सत्रीय परीक्षा 2016–17 दोबारा कराने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय ने ऐसे सभी महाविद्यालयों की सूची जारी की है, जहां विभिन्न विषयों की परीक्षा में सामूहिक नकल हुई थी। ज्यादातर महाविद्यालय इलाहाबाद के अतिरिक्त फतेहपुर और कौशाम्बी जिलों में अवस्थित हैं। परीक्षा समिति के निर्णयानुसार परीक्षा–तिथियाँ घोषित की जा चुकी हैं।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद द्वितीय बैठक

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की द्वितीय बैठक दिनांक 16 जून, 2017 को पूर्वाह्न 11:00 बजे आयोजित हुई। कार्यपरिषद विश्वविद्यालय के एक वर्ष की प्रगति एवं उपलब्धियों से संतुष्ट हुई एवं कुलपति प्रो0 प्रसाद के नेतृत्व की सराहना की। इसके साथ ही कार्यपरिषद ने परीक्षा समिति एवं वित्त समिति की संस्तुतियों को अनुमोदित करते हुए विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास एवं भविष्य की कार्ययोजना को अनुमोदित किया। कार्यपरिषद ने 'स्कालर इन रेजिडेन्स' प्रकल्प के क्रियान्वयन एवं नवाचारी पाठ्यक्रमों के दिशा–निर्देश तैयार करने हेतु प्रख्यात वनस्पति शास्त्री एवं दीनदयाल उपाध्याय के गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 पी0सी0त्रिवेदी की अध्यक्षता में एक उपसमिति के गठन का भी अनुमोदन किया।

कार्यपरिषद विश्वविद्यालय के प्रथम स्थापना दिवस समारोह दिनांक 17 जून, 2017 के आयोजन से भी अवगत हुई, जिसमें राज्य विश्वविद्यालयों के माननीय कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक एवं प्रदेश के माननीय उपमुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा जी आमंत्रित हैं। बैठक के अन्त में कार्यपरिषद के माननीय सदस्यों की ओर से प्रख्यात वनस्पति शास्त्री प्रो0 पी0सी0 त्रिवेदी ने कार्यपरिषद के अध्यक्ष एवं इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया और पिछले एक वर्ष में विश्वविद्यालय को विश्वस्तरीय संस्थान के रूप में स्थापित करने के लिये प्रयासों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। कुलपति

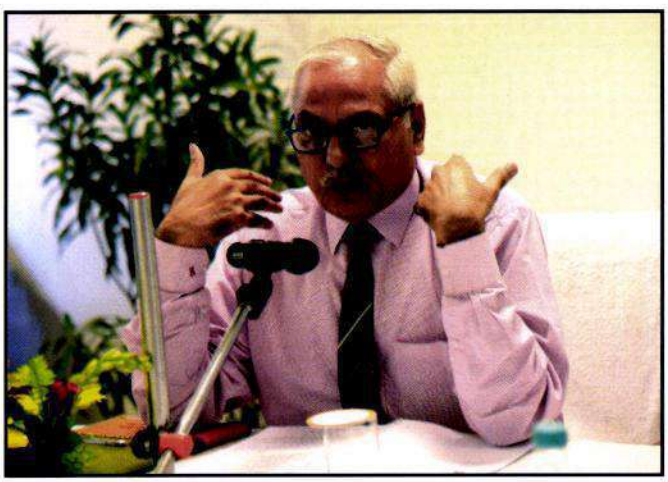

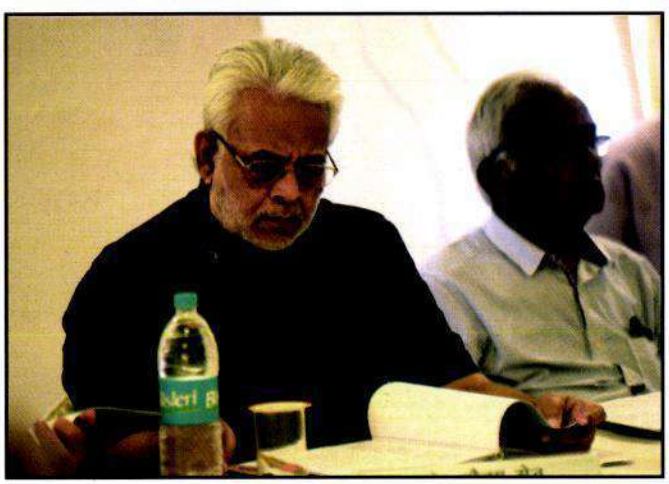

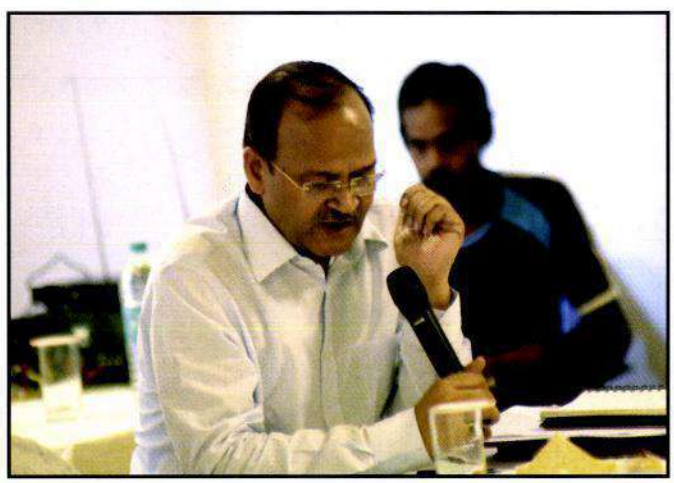

ने कार्यपरिषद के सदस्यों को कार्यपरिषद की अगली बैठक आगामी दो माह के भीतर आयोजित करने के निर्णय से अवगत कराया, जिससे अग्रतर कार्यवाही सुनिश्चित हो सके।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम स्थापना दिवस का आयोजन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का प्रथम स्थापना दिवस समारोह 17 जून, 2017 को अत्यन्त गरिमामय ढंग से सम्पन्न हुआ। इस समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्री राम नाईक ने की। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में माननीय उपमुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा मौजूद थे। इस अवसर पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित "स्मार्ट क्लास रूम" का लोकार्पण व एक वर्ष पूरे होने पर निर्मित वृत्तचित्र (Documentary) को लोकार्पित किया। विश्वविद्यालय परिसर में ही शाम 6:00 बजे से 8:00 बजे के बीच सांस्कृतिक महोत्सव व अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया।

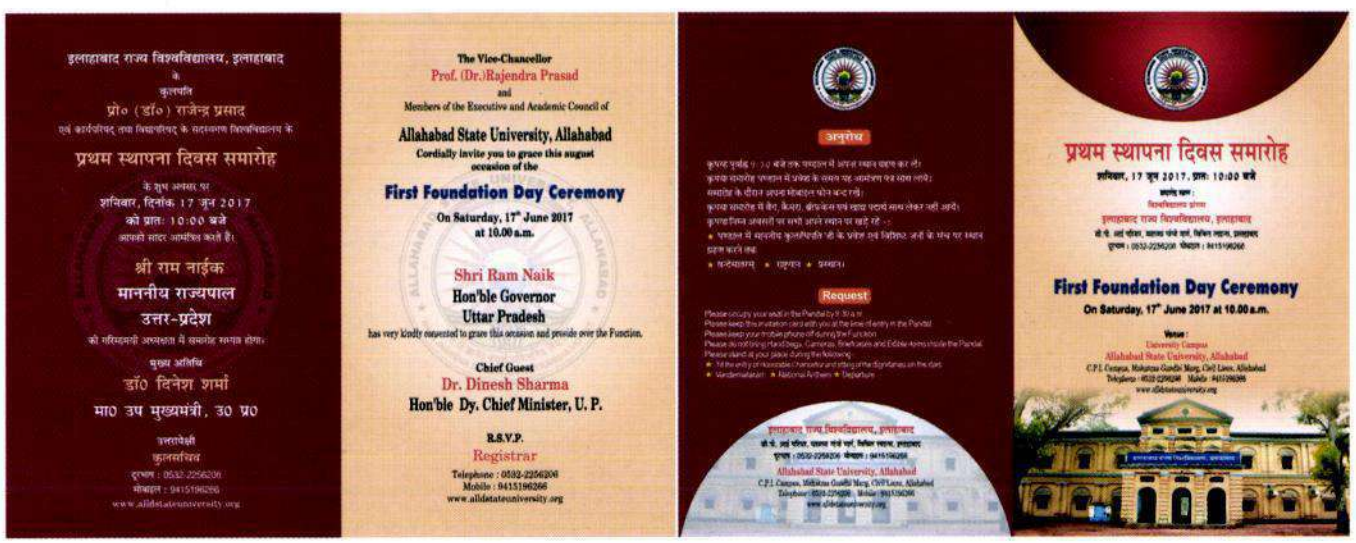

प्रथम स्थपना समारोह पर
माननीय राज्यपाल श्री रामनाईक का अध्यक्षीय उद्‌बोधन

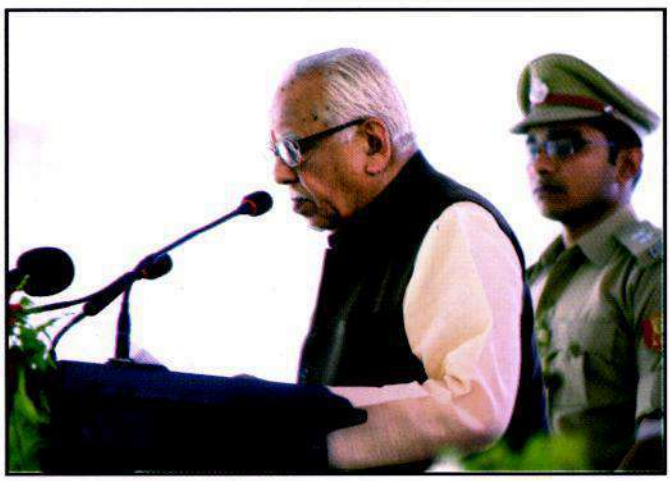

अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन के दौरान माननीय राज्यपाल श्री रामनाईक सफल जीवन के मूलमंत्र के रूप में कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने अपने छात्र जीवन में गुरु द्वारा जीवन में सफल होने के लिए बताये गये 4 सूत्रों को विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा हेतु प्रस्तुत करते हुए कहा कि जीवन में सफल होने के लिए अच्छे कार्य करने वालों की सराहना करनी चाहिए। इससे आप सभी को सबका सहयोग प्राप्त होगा। किसी की भी अवमानना नहीं करनी चाहिए एवं जीवन में किसी भी प्रकार का अहंकार नहीं होना चाहिए क्योंकि यह जीवन की प्रगति में बाधक है। जो आप करने की सोचो, उसे अच्छे से अच्छा कैसे कर सकते हो, उसका प्रयास करो एवं हमेशा प्रसन्न रहते हुए कार्य करो। तनाव से सफलता बाधित होती है, अतः हमेशा मुस्कराते रहो। श्री राज्यपाल ने अपने जीवन के अनुभव पर आधारित स्वयं द्वारा रचित 'चरैवेति–चरैवेति' पुस्तक से चलते रहो–चलते रहो का मंत्र दिया। जो चलता है वहीं आगे बढ़ता है, जो रुक जाता है उसकी प्रगति भी रुक जाती है। समारोह में उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करते हुए राज्यपाल महोदय ने अपने जीवन के संस्मरणों को भी सुनाया। माननीय राज्यपाल श्री नाईक ने इस तथ्य को रेखांकित कि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने विगत एक वर्ष में बड़ी उपलब्धि अर्जित की है।

उच्च शिक्षा मंत्री का उद्‌बोधन

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री प्रो0 दिनेश शर्मा जी ने विश्वविद्यालय के एक वर्ष की प्रगति पर संतोष प्रकट करते हुए, गुजरात के विश्वविद्यालयों में पब्लिक–प्राईवेट पार्टनरशिप के सफलतम उदाहरणों की चर्चा करते हुए, कहा कि उ0प्र0 के विश्वविद्यालयों को अपने पाठ्यक्रमों में उन विधाओं को जोड़ने का प्रयास करना चाहिए, जिससे कि विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध हो सके। उपमुख्यमंत्री ने अपने उद्‌बोधन में विश्वविद्यालयों में आधुनिक वातावरण, कम्प्यूटर आदि के प्रयोग से विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराने पर बल दिया।

अन्त में डॉ0 शर्मा जी ने विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए हर संभव मदद प्रदान करने का आश्वासन दिया और विश्वविद्यालय में स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति करने के प्रयास पर बल देने की बात कही। डॉ0 दिनेश शर्मा ने घोषणा की कि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय को जल्द ही नियमित शिक्षक मिल जायेंगे। किसी भी विश्वविद्यालय की सफलता के लिए जरूरी नहीं है कि बिल्डिंग चमकदार हो, बल्कि शिक्षक अच्छे होने चाहिए। उन्होंने कहा कि जल्द ही नियमित शिक्षकों की नियुक्ति की जायेगी। किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा। बिल्डिंग के लिए भी पैसा मिलेगा। उन्होंने कहा कि एक वर्ष में राज्य विश्वविद्यालय ने बड़ी उपलब्धि अर्जित की। डॉ0 शर्मा ने यह भी सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय को अपने पाठ्यक्रमों में उन विधाओं को जोड़ने का प्रयास करना चाहिए, जिससे छात्र–छात्राओं को उद्यम व रोजगार उपलब्ध हो सके। उच्च शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन की ओर बढ़ने की नितान्त आवश्यकता है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए बढ़ते कदम

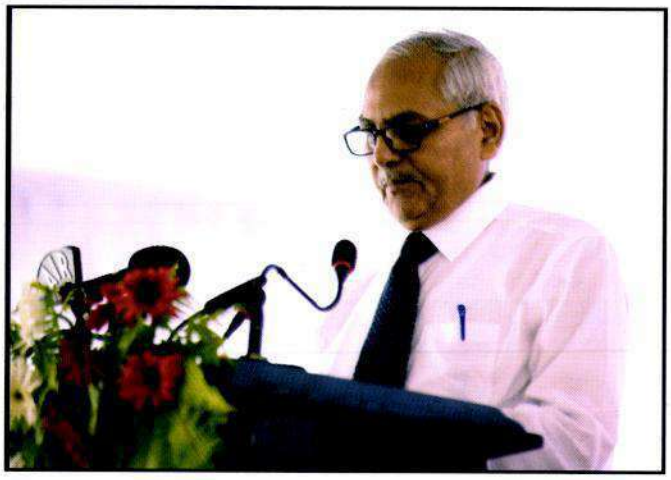

स्थापना दिवस कार्यक्रम के आरम्भ में माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्री रामनाईक एवं उपमुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा, विश्वविद्यालय के कार्य परिषद के सदस्यगण, माननीय सांसद, विधायक एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने एक वर्ष की प्रगति–आख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि हम स्थावर–जंगम को साक्षी मानकर कह सकते हैं कि आज का दिवस उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय द्वारा विगत एक वर्ष के अल्पकाल में प्राप्त उपलब्धियों एवं वर्तमान बौद्धिक स्पंदन के कारण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हमने ज्ञान–विज्ञान, परा–अपरा विद्या शाखाओं के सृजन और विस्तार की जो संकल्पना की है और अपना जो 'विजन तथा मिशन' तय किया है, वह गुणवत्तापूर्ण है। इसका मूल मंत्र श्रीमद्‌भगवत गीता के कालजयी उद्‌घोष 'न हि ज्ञानेन सदृश पवित्रमिह विद्यते' अर्थात् ज्ञान से पवित्र अन्य कोई वस्तु नहीं है, में निहित है। विश्वविद्यालय ने इसे अपने प्रतीक–चिह्न में समाहित किया है।

प्रो0 प्रसाद ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का लेखा–जोखा प्रकट करते हुए आगे कहा कि प्रथम वर्ष में ही विश्वविद्यालय में मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन तथा वाणिज्य एवं प्रबन्धन विद्याशाखाओं के अन्तर्गत परस्नातक की कक्षायें प्रारम्भ की गयी हैं। इस प्रकार विश्वविद्यालय परिसर में राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, हिन्दी, प्राचीन इतिहास, सोशल वर्क एवं वाणिज्य सहित सम्बद्ध 548 महाविद्यालयों में पठन–पाठन एवं परीक्षायें सुचारू रूप से संचालित हुईं।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना में उ0प्र0 राज्य विश्वविद्यालय (संशोधित) अधिनियम 2013 में विहित प्राविधानों के अन्तर्गत सभी शर्तों, नियमों का अक्षरशः पालन किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के दोनों स्कूल्स के लिए शिक्षकों के 92 पद राज्य सरकार द्वारा सृजित एवं स्वीकृत हैं, जिनकी नियुक्ति प्रक्रियाधीन है। विश्वविद्यालय के आवासीय खण्ड में 12 स्कूल्स के अन्तर्गत 114 केन्द्रों एवं विभागों के अन्तर्गत उच्चस्तरीय शैक्षिक गतिविधियाँ संचालित की जायेंगी। यह कार्य 3 चरणों में पूर्ण होना है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के मुख्य आवासीय परिसर का निर्माण सरस्वती हाईटेक सिटी, नैनी में राज्य सरकार द्वारा दी गयी 112 एकड़ जमीन पर चल रहा है। विश्वविद्यालय का यह प्रयास है कि अध्ययनरत छात्रों में उदात्त मानवीय मूल्यों का सृजन और चरित्र–निर्माण हो। उन्हें राष्ट्र–निर्माण हेतु सर्वगुणसम्पन्न शिक्षित एवं प्रशिक्षित जनशक्ति के रूप में तैयार किया जाये। आज के प्रतिस्पर्धापूर्ण देश–दुनिया के परिवेश में हमारे विद्यार्थियों को जिस प्रकार की सटीक एवं गुणवत्तापूर्ण दक्षता की आवश्यकता है, इसके लिए इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय पूर्णरूपेण संकल्पित है। कुलपति ने राज्य विश्वविद्यालय को एक विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान के रूप में पहचान दिलाने में माननीय राज्यपाल, उ0प्र0 सरकार और इलाहाबाद मण्डल के जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपेक्षा की। तत्क्रम में माननीय उपमुख्यमंत्री जी एवं माननीय श्री राज्यपाल महोदय ने एक वर्ष के भीतर कुलपति द्वारा कृत कार्यों की प्रशंसा की और विकास के लिए हर सम्भव मदद देने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के अन्त में कुलसचिव संजय कुमार ने माननीय राज्यपाल मुख्य अतिथि, कार्यपरिषद के माननीय सदस्यों एवं प्रेस (प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रनिक मीडिया) एवं समारोह को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप में सहयोग प्रदान करने वाले सभी आगतों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

छायांकनः प्रथम स्थापना दिवस समारोह (17 जून 2017)

सत्र 2017-18 में प्रवेश हेतु आवेदन शुरू

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में परास्नातक एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। छात्र मुख्य कैंपस एवं इससे सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

सत्र 2017–2018 के लिए इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में विभिन्न कोर्स में दाखिले होने हैं। पीजी स्तर पर हिन्दी, अर्थशास्त्र, इतिहास, कल्चर एंड आर्कियोलॉजी, राजनीतिशास्त्र, एमएस डब्ल्यू एवं एम0कॉम में दाखिले होने हैं। इसी प्रकार विभिन्न प्रोफेशनल कोर्सेज, जैसे–एलएलबी, बीएएलएलबी, बीबीए, बीसीए, बीपीएड, बी–लिब, एमपीएड, एमएड, एम.लिब आदि में दाखिले होंगे। पीजी कोर्स विश्वविद्यालय परिसर में संचालित होंगे। प्रोफेशनल कोर्स संघटक कालेजों में संचालित होंगे। पी0जी0 स्तर पर द्विवर्षीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय में स्नातक उपाधि प्राप्त हो। विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में चल रहे कार्यक्रमों के लिए ऑनलाइन विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा कराई जायेगी। प्रवेश विश्वविद्यालय से सम्बद्ध इलाहाबाद, प्रतापगढ़, कौशाम्बी और फतेहपुर के कालेजों में होगा।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के नये कुलसचिव के रूप में (डॉ०) श्री एस०एल० मौर्य की नियुक्ति

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलसचिव के रूप में श्री साहब लाल मौर्य ने 26 जून, 2017 को उ0प्र0 शासन के आदेशानुसार कार्यभार ग्रहण किया। इसके पूर्व श्री संजय कुमार राज्य विश्वविद्यालय के कुलसचिव थे।

उपकुलसचिव के रूप में नियुक्तियाँ

श्री राज बहादुर यादव

श्री शेषनाथ पाण्डेय

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में उपकुलसचिव के रूप में श्री शेषनाथ पाण्डेय और श्री राज बहादुर यादव ने भी अपना कार्यभार सँभाल लिया है, इसके पूर्व श्री पाण्डेय महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ और श्री यादव छत्रपति शाहूजी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय में कार्यरत थे।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन करने की तिथि बढ़ी

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि 30 जून से बढ़ाकर 12 जुलाई कर दी गई है। साथ ही ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई निर्धारित की गई है। ऐसे में एम0ए0 हिन्दी, अर्थशास्त्र, प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व, राजनीति विज्ञान, एम.एस. डब्ल्यू. एवं एम.कॉम. और सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों तीन–वर्षीय एल.एलबी, बी.ए. एल.एलबी, बी.पी.एड, बी.बी.ए, बी.सी.ए, बी.एससी–एजी, बी.ए.आई.एससी, एम.एल. आई.एससी, एम.एड में प्रवेश के लिए अभ्यार्थियों को आवेदन का मौका मिल गया।

कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि विश्वविद्यालय की व्यावसायिक पाठ्यक्रम की परीक्षाएं 10 से 22 जुलाई तक कराई जाएगी। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इन परीक्षाओं के बाद पूर्व में सामूहिक नकल में निरस्त की गई परीक्षाएं दोबारा कराई जायेंगी।

'टाउन एवं गाउन' को समृद्ध करने हेतु प्रयासः

'शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास' नई दिल्ली की द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की सहभागिता

'शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास' के तत्वावधान मे द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 06 मई, 2017 को आरम्भ हुई। मोतीलाल नेहरू चिकित्सालय महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षा और साहित्य सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। विद्या भारती के संरक्षक पद्मश्री ब्रह्मदेव शर्मा ने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को लेकर कहा कि आजादी के मिलने के बाद देश की शिक्षा व्यवस्था को गलत दिशा मिली। अब समय आ गया है कि देश की आवश्यकता के अनुसार ही शिक्षा व्यवस्था में बदलाव हो। पद्मश्री ब्रह्मदेव शर्मा शुक्रवार को मेडिकल कालेज में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली की ओर से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय शैक्षिक कार्यशाला के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उद्घाटन सत्र के न्यास के महासचिव अतुल कोठारी ने कहा कि देश के सामने हम एक नया विकल्प शिक्षा के क्षेत्र में प्रस्तुत करेंगे। कार्यशाला में समस्याओं की नहीं, बल्कि समाधान की चर्चा हो। कार्यशाला में दूसरे दिन राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य यशवन्त जैन व प्रियांक कानूनगो भी शिरकत करेंगे। कार्यशाला में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने समेकित शिक्षा नीति बनाने पर बल दिया। उन्होंने छात्र–छात्राओं की रूचि के अनुसार शिक्षा व्यवस्था लागू करने की बात कही। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग के प्रो0 एच0एस0 उपाध्याय ने कहा कि एक बच्चे को संस्कारयुक्त बनाना 100 विद्यालय खोलने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली के आयुक्त संतोष कुमार मल्ल ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार एक अहम मुद्दा है। प्राचीन भारत में पाश्चात्य जगत से ज्यादा वैज्ञानिक हुए हैं लेकिन उन्हें महत्व नहीं मिला स्कूली शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत है।

नारद-जयन्ती के उपलक्ष्य में ''राष्ट्रीय जीवन में मीडिया का योगदान'' विषयक संगोष्ठी

नारद–जयंती के अवसर पर इलाहाबाद संग्रहालय में 12 मई, 2017 को हिन्दुस्तान समाचार एजेंसी द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय जीवन में मीडिया का योगदान' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गयी। इस अवसर पर दैनिक जागरण के स्थानीय प्रभारी सम्पादक श्री जगदीश जोशी मुख्य अतिथि थे। श्री जोशी ने कहा कि सत्य का समावेश करते हुए कम से कम समय में समाचार का संपादन एवं सम्प्रेक्षण एक चुनौती भरा काम है। आज पत्रकारिता का ट्रेंड बदल चुका है। जनता की अपेक्षा काफी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि हमारे सामने सबकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने की चुनौती होती है, जिसके लिए उनसे प्रेरणा लेकर पत्रकारों को आगे बढ़ने का आह्वान किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि आद्यपत्रकार देवर्षि नारद सूचना, शिक्षा एवं मनोरंजन, तीनों के शलाका पुरूष के रूप में दिखाई पड़ते हैं। वह भले ही प्राचीनकाल के ऋषि हैं लेकिन आधुनिक काल में उनके द्वारा सूचना, संचार और प्रसार की प्रासंगिकता से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। संयोजक डॉ0 मोरारजी त्रिपाठी ने विषय परिवर्तन करते हुए कहा कि मूल्य–आधारित राष्ट्रवादी पत्रकारिता आज देश की आवश्यकता है, पत्रकारों को अपनी लेखनी और विचारों के जरिए संस्कृति के मूल्यों को सहेजना होगा। कार्यक्रम का संचालन गिरिजेश त्रिपाठी ने किया। आभार राजेश मिश्र ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम में ऋषिदेव त्रिपाठी, राजेन्द्र प्रसाद, अनुराग, सर्वेश मौजूद थे।

''साहित्य एवं राष्ट्रीयता'' विषयक संगोष्ठी में कुलपति प्रो० राजेन्द्र प्रसाद ने अध्यक्षता की

अखिल भारतीय साहित्य परिषद काशी प्रांत और साहित्य संगम की ओर से 18 मई, 2017 दिन गुरूवार को विज्ञान परिषद सभागार में परिचर्चा और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'साहित्य एवं राष्ट्रीयता' विषय पर विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीधर पराड़कर ने कहा कि मनुष्य का विकास संस्कृति पर निर्भर है। देश में रहने वाला हर व्यक्ति राष्ट्रीय विचारधारा का हो यह आवश्यक नहीं है। अध्यक्षीय संबोधन में राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि साहित्य में लोकमंगल की भावना होनी चाहिए। समारोह में अतिथियों ने साहित्य और हिन्दी विज्ञान लेखन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए डॉ0 दिनेश मणि, डॉ0 सुनंदा दास, देवव्रत द्विवेदी, डॉ0 दुर्गेश नंदिनी गोस्वामी, कुहु मालवीय और शशि मेहरोत्रा को अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया गया । इस मौके पर चंद्रिका प्रसाद त्रिपाठी की पुस्तक 'रामायन रसायन' का विमोचन किया गया। तमिल लेखक डॉ0 एम0 गोविन्दराजन ने साहित्य परिषद के अवदान पर प्रकाश डाला।

संचालन डॉ0 शांति चौधरी, आभार डॉ0 उमेश शुक्ल ने किया। स्वागत संयोजक आलोक चतुर्वेदी ने किया। डॉ0 शिव गोपाल मिश्र, प्रो0 राम किशोर, हरिमोहन मालवीय, राम नरेश त्रिपाठी, पिंडीवासा, व्रतशील शर्मा, जय प्रकाश द्विवेदी, शैलतनया श्रीवास्तव, बलुराम, डॉ0 शारदा पाण्डेय, अरविंद चतुर्वेदी, बालकृष्ण पाण्डेय, महावीर प्रसाद, अनुपम दुबे मौजूद रहे।

''अपवंचित वर्गों की शिक्षा : समस्या एवं समाधान'' विषयक संगोष्ठी में सहभागिता

शिक्षा आनुवंशिक न होते हुए भी आनुवंशिक रूप में चलती आ रही है। हम जिस तरह की शिक्षा समाज को दे रहे हैं उससे अपवंचन की समस्या उत्पन्न होगी। अपवंचन एक सामाजिक समस्या है। समाज की विषमता के कारण अपवंचित वर्ग की समस्याएं बढ़ती हैं। उक्त बातें काशी विद्यापीठ के शिक्षाशास्त्र विभाग में आयोजित ''अपवंचित वर्गों की शिक्षाः समस्या एवं समाधान'' विषयक द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम दिन अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा, महाराष्ट्र के वाइस–चांसलर प्रोफेसर गिरिश्वर मिश्र ने बतौर मुख्य अतिथि ने कही। मनुष्य जीवन का एक लक्ष्य होता है। आनन्द को ब्रह्म की संज्ञा दी गयी । यदि जीवन में आनन्द नहीं है तो अपवंचना के प्रभाव में जीवन जीने के लिए प्रत्येक मनुष्य बाध्य है। ऐसी स्थिति में शिक्षा को इस रूप में देने की व्यवस्था की जाय, जिससे व्यक्ति के जीवन में आनन्द की प्राप्ति हो सके।

विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के वाइस–चांसलर प्रोफेसर राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि हमारी शिक्षा व्यवस्था रेडिमेड है। रेडिमेड शिक्षा से किसी का भला नहीं हो सकता है। हमारे यहां दो प्रकार की शिक्षा व्यवस्था है। एक अमीर की शिक्षा और दूसरा गरीब की शिक्षा। यही शिक्षा व्यवस्था अपवंचन का प्रमुख कारण है। शैक्षिक चिन्तन, और सोच में परिवर्तन द्वारा समाज में बदलाव लाने की कोशिश की जानी चाहिए। प्रोफेसर कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी रूप में अपवंचित महसूस करता है। इसका कारण अति महत्वाकांक्षा होती है। प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं अपवंचन से बचने का प्रयास करना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के वाइस–चांसलर डॉक्टर पृथ्वीश नाग एवं अतिथियों का स्वागत संगोष्ठी के संयोजक प्रोफेसर अरविन्द कुमार पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर राखी देव एवं धन्यवाद 'ज्ञापन प्रोफेसर गोपाल प्रसाद नायक ने किया। इस अवसर पर डाक्टर राजेन्द्र यादव, डाक्टर सुरेन्द्र राम, डाक्टर मनोज त्यागी, डाक्टर दिनेश, डाक्टर वीणा वादिनी, डाक्टर रमेश प्रजापति, ध्यानेन्द्र मिश्र एवं मनीष कुमार सिंह अध्यापक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय योग-दिवस (21 जून 2017) के अवसर पर कार्यक्रम

21 जून 2017 को 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के सी0पी0आई0 कैम्पस में सुबह 5:30 बजे से 7:00 बजे तक राष्ट्रीय सेवा योजना, इलाहाबाद एवं पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में योगाभ्यास का आयोजन किया गया। 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' पर आयोजित योग शिविर में प्रतिभागियों को योग के महत्व को रेखांकित करते हुए कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि—सदियों से भारत को पहचान दिलाने में योग की समृद्ध परम्परा और विरासत का महत्व रहा है। इसके कुछ अहम केन्द्र रहे हैं, जिन्होंने योग को आगे बढ़ाने में सारस्वत योगदान दिया है। योग के उच्चस्तरीय उन्नयन हेतु इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद अग्रणी भूमिका निभायेगा। योग दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय प्रांगण में सभी अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र—छात्राओं ने विभिन्न आसन और प्राणायाम की क्रियाओं का अभ्यास किया। योग दिवस के अवसर पर पतंजलि रिसर्च फाउंडेसन के संयोजक मुख्य प्रशिक्षक डॉ0 रमेशचन्द्र पटेल, बहन शशि आर्या, प्रांतीय महिला प्रभारी, डॉ0 अरविन्द श्रीवास्तव, (योग शिक्षक), डॉ0 सुमित श्रीवास्तव एवं नीतू सिंह (योग शिक्षक विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री धर्मेन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, कुलसचिव संजय कुमार, उपकुलसचिव दीप्ति मिश्रा, प्रो0 जे0एन0मिश्र, प्रो0 जे0एन0पाल, प्रो0एम0एन0सिंह, प्रो0 आर0एस0राय, डॉ0 विद्याधर पाण्डेय और राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ0 उपेन्द्र कुमार सिंह सहित 100 लोगों ने योग क्रिया में भाग लिया।

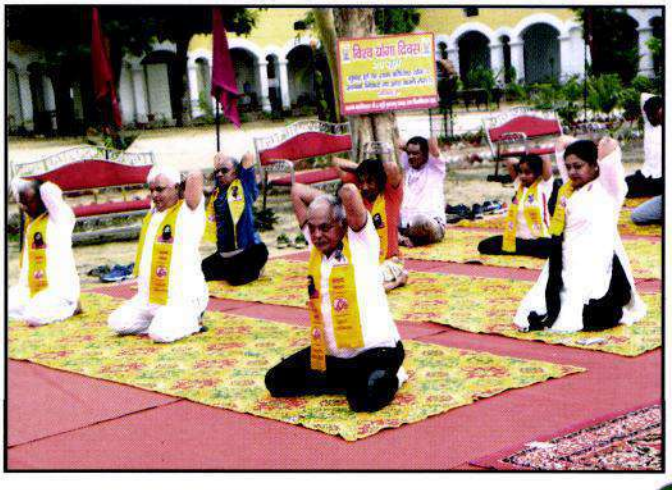

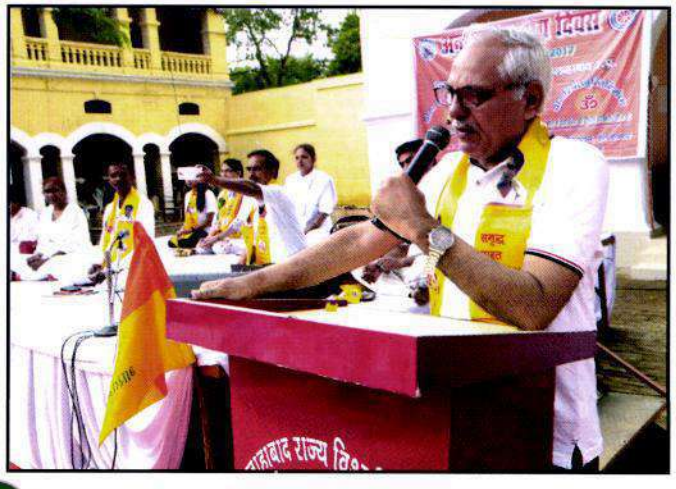

माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक ने इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० राजेन्द्र प्रसाद के काव्य संग्रह 'समरशेष है' का लोकार्पण किया

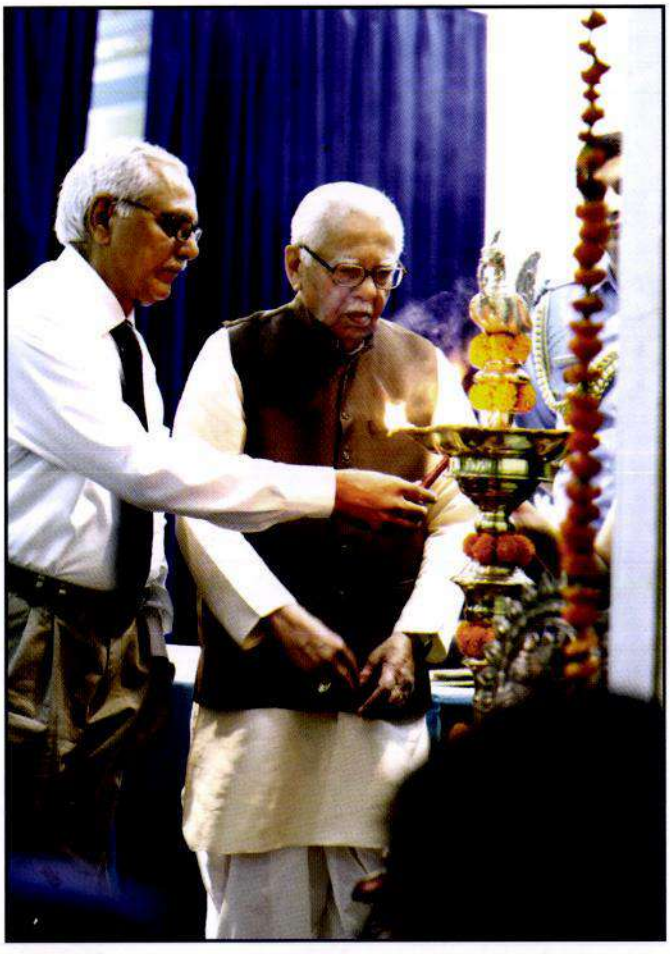

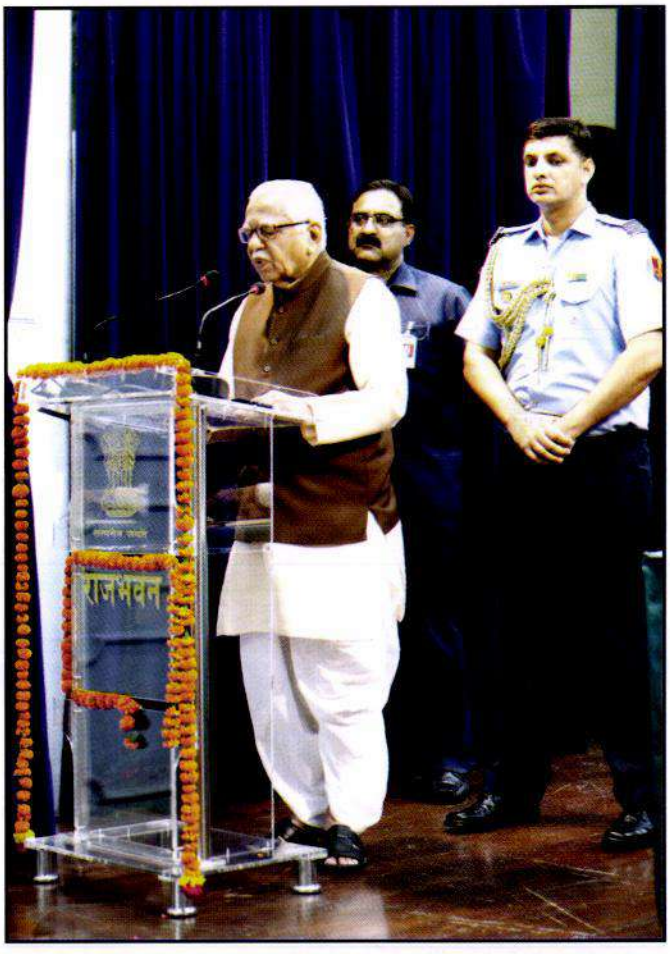

उ0प्र0 के माननीय राज्यपाल राम नाईक ने शुक्रवार को यहाँ राजभवन में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद के काव्य संग्रह 'समर शेष है' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर अपने उद्‌बोधन में उन्होंने कहा कि लेखन समय का सदुपयोग सिखाता है। कहानी लेखन, कविता या अन्य कोई विधा हो वास्तव में मुश्किल कार्य है। मनोरंजन के अन्य साधन बढ़े हैं, जिसके कारण पढ़ने की प्रवृत्ति में कमी आयी है। उन्होंने कहा कि मुफ्त में मिली किताब कम पढ़ी जाती है, इसलिये किताबों को खरीद कर पढ़ने की आदत डालें।

श्री राम नाईक ने कहा कि डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद की कविता मातृभूमि और जन्म देने वाली माँ के इर्द–गिर्द घूमती है। माँ एवं मातृभूमि का स्मरण वास्तव में प्रशंसनीय है। उन्होंने 'चरैवेति–चरैवेति' के उदात्त धारणा का विश्लेषण करते हुए कहा कि जीवन में सफलता के लिये सदैव चलते रहना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि राजभवन में आयोजित यह कार्यक्रम इस दृष्टिकोण से विशेष है कि यह पुस्तक विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा लिखी गयी है। उन्होंने बताया कि गत आठ अप्रैल को राजभवन के विधि सलाहकार की पुस्तक 'गवर्नर्स गाइड' का लोकार्पण हुआ। गत 27 मई को राज्य सूचना आयोग की पुस्तिका, 'उत्तर प्रदेश सूचना आयोग के बढ़ते कदम', और तीन जून को डा. पद्‌मेश गुप्ता, जो लंदन में रहते हैं के काव्य पुस्तक 'प्रवासी पुत्र', 9 जून, को डा. प्रीति कबीर की पुस्तक 'सलीब पर टंगी हुई औरत' तथा दो दिन पहले 28 जून को 'पंडित दीनदयाल सम्पूर्ण वांग्मय' की प्रथम प्रति भेंट की कार्यक्रम आयोजित किये गये थे। उन्होंने कहा कि इतनी पुस्तकों का लोकार्पण इतने कम अंतराल में शायद ही किसी संस्थान द्वारा किया गया होगा।

इस अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि यह उनका प्रथम काव्य संग्रह है जिसकी प्रेरणा पुण्यसलिला गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर स्थित तीर्थराज प्रयाग की भूमि पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से मिली। उन्होंने बताया कि उनकी कविताएँ आशा का संदेश देती हैं तथा उसमें उदत्त जीवन मूल्यों को सम्मिलित किया गया है। उनकी पुस्तक वास्तव में लोक–कल्याण की ओर प्रेरित करने का छोटा सा प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक माता और मातृभूमि की प्रेरणा से लिखी गयी है जिनके ऋण को कभी चुकता नहीं किया जा सकता।

लोकार्पण समारोह में राज्यपाल की प्रमुख सचिव श्री जूथिका पाटणकर, अनेक विश्वविद्यालय के कुलपतिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

साहित्य में लोकमंगल की भावना जरूरी

छात्रों की रूचि के अनुरूप हो शिक्षा

'प्रतिस्पर्धा से उभरकर आता है सत्य'

दाखिले को आवेदन शुरू

संस्कृति पर निर्भर है मानव जीवन का विकास

एनकाउंटर मेंट के लिये चैलेंज है पॉल्यूशन

ALLAHABAD:

देश की शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की जरूरत

वेबसाइट पर अपलोड होगा शिक्षकों का ब्यौरा

रेडिमेड शिक्षा से किसी का भला नहीं-राजेन्द्र प्रसाद

निकासी पर रोक

राज्य विवि से जुड़े बत्तीस कालेजों में दोबारा परीक्षा

दैनिक जागरण इलाहाबाद, 16 जून 2017

राज्य विवि का प्रथम स्थापना दिवस कल

विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में भी मना योग दिवस

शिक्षा को रोजगार से जोड़ेंगे

डिग्री कॉलेज में मिले शिक्षक

नहीं होना चाहिये अहंकार :राज्यपाल

राज्य विवि को जल्द मिलेंगे नियमित शिक्षक

पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए लगाए पौधे

राज्य विवि का 120 एकड़ में निर्माण शुरू

इलाहाबाद राज्य विवि का पहला स्थापना दिवस कल, राज्यपाल, शिक्षा मंत्री भी होंगे शामिल

इंजीनियरिंग, मेडिकल, कृषि आयुर्वेद के भी शुरू होंगे कोर्स

विवि में शिक्षकों के 92 पद सृजित

एएसयू का जारी हुआ न्यूज लेटर

कैंसर की तरह घातक रोग है नकल : रामनाईक

मनमानी फीस वृद्धि पर करेगी नकल : दिनेश

सरस्वती हाईटेक सिटी नैनी में शुरू हो चुका निर्माण, 112 एकड़ में एक साल में तैयार होने की उम्मीद

हार्वर्ड की तरह होगा राज्य विश्वविद्यालय का भवन

बड़ी योजना

स्थापना दिवस समारोह में आएंगे राज्यपाल

Copying in exam like cancer: Guv Naik

Foundation Day Of Allahabad State University

Allahabad State University

MISSION STATEMENT

The prime mission of Allahabad State University is set to provide integrated approaches of local, regional, national and global opportunities for Higher Learning, research and engagement to the diverse sets of student population. The University intends to offers a full range of degree programmes at the Bachelor, Master, doctoral, post-doctoral and professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

GOALS

Allahabad State University is inclined to provide quality higher education to the younger generation, and intends to emerge as a " world class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will envolve a student profile comparable with national and global (public and private) institutions of Higher Education by creating an environment in which students success in diverse areas can be seen to the optimum level. It will also fulfill the skill development and professional needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic and intellectual development in India in the Age of Globalization.

The University is also set to embark upon the path of realising its endeavors and accomplishments, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order.

As its primary goal, the Allahabad State University is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century along with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is engaged to utilise its material, human and other resources for :

- Imparting higher education to fulfill the diverse needs of student community, including foreign students.
- Promoting excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually augmenting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimensional activities.